



आचरणमय जीवन ही अपने दर्पण का काम करता है।

Righteous conduct itself works as mirror.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

# दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 14 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शुक्रवार 21 जून 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रुपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

## सक्षिप्त समाचार

नीतीश सरकार को बड़ा झटका, हाईकोर्ट ने आरक्षण बढ़ाने का फैसला किया रद्द पटना (आरएनएस)। पटना हाईकोर्ट ने गुरुवार को राज्य सरकार को बड़ा झटका देते हुए आरक्षण बढ़ाने का फैसला रद्द कर दिया है। दरअसल, राज्य में आरक्षण की सीमा 50 फीट सीढ़ी होती है, लेकिन विहार सरकार ने आरक्षण को 65 फीट सीढ़ी तक बढ़ाया था, जिसे हाइकोर्ट ने अब रद्द कर दिया है। आरक्षण कानून में किंवदं गृहिणी संशोधन की संवेदनशील वैधता को छुटी देने वाली रिट याचिकाओं को स्वीकृति दे दी है।

मुख्यमंत्री ने विनाद चंद्रन एवं व्यायाधीश श्री शशीकला की खंडपीठ के विनाद 11 मार्च को इस मामले पर अपना

फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे गुरुवार को सुनाया गया।

झारखंड में सीएम, मनियों और विधायकों के वेतन-भत्ते बढ़ाने पर भाजपा ने सरकार को घेरा

रांची (आरएनएस)। झारखंड के पूर्व सीएम और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में सीएम, मनियों और विधायकों के वेतन-भत्ते में दूर्लिप्त पर राज्य सरकार को घेरा है।

उन्होंने कहा कि इस सरकार के पास गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के लिए पैसे की कमी रहती है, लेकिन सत्ताधारियों एवं जनप्रतिनिधियों के लिए धन की वर्षा होने लगती है। दरअसल,

झारखंड केंविनेट ने बुधवार को सीएम, मनियों, विधायकों, स्पीकर, पार्टी सचेतकों के वेतन-भत्ते में एकमुश्त भारी इजाफे का विचार लिया है।

## जम्मू-कश्मीर को मिलेगा पूर्ण राज्य का दर्जा, श्रीनगर में पीएम मोदी का बड़ा ऐलान

- 1,500 करोड़ रुपये की 84 विकास परियोजनाओं का शिलान्वास एवं उद्घाटन
- 1,800 करोड़ रुपये की लागत वाली कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों में प्रतिस्थापनकारी सुधार (जेकेसीआईपी) परियोजना की भी शुरुआत
- जम्मू-कश्मीर में सरकारी नौकरियों के लिए 2000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित

जम्मू (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जम्मू-कश्मीर दौरे पर पहुंचे और उन्होंने श्रीनगर में 'युवाओं का सशक्तिकरण, जम्मू-कश्मीर में बदलाव' कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर को करीब 3300 करोड़ रुपये का तोहफा दिया। मोदी ने बड़ी धोषणा करते हुए कहा कि वो दिन भी जल्द आएगा जम्मू-कश्मीर राज्य के रूप में अपना भविष्य और उत्तरवाला बनाएगा। जम्मू-कश्मीर में विधायक चुनाव के लिए तैयारियां हो रही हैं, जल्द यहां के लोग अपनी सरकार चुनेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि

हमारी सरकार काम करती है और नीतीजे दिखाती है। तीसरी बार सरकार बनाने से दुनिया को स्थिरता का संदेश मिला है। हमारी सरकार को लेट-लेटीफी परदं नहीं है। आज जो बदलाव जम्मू-कश्मीर में दिख रहे हैं, वह बीते 10 साल में हमारे काम का नीतीजा है।

कार्यक्रम के दोपहर प्रधानमंत्री मोदी ने 1,500 करोड़ रुपये की 84 विकास परियोजनाओं का शिलान्वास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने 1,800 करोड़ रुपये की लागत वाली कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों में प्रतिस्थापनकारी सुधार (जेकेसीआईपी) परियोजना की भी शुरुआत की। प्रधानमंत्री



ने जम्मू-कश्मीर में सरकारी नौकरियों के लिए 2000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। मोदी ने कहा कि आज

जम्मू एवं कश्मीर में विकास के हर मोर्चे पर बड़े पैमाने पर काम हो रहा है और इसके तहत यहां हजारों किलोमीटर मिला है। सड़कें बनी हैं, कश्मीर घाटी रेल संपर्क से भी जुड़ रही है। चिनाब नदी पर बोरे दुनिया के सबसे बड़े रेलवे ब्रिज का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इसकी तरह देखकर तो हर भारतवासी गर्व से भर उठता है। लोकसभा चुनाव के नीतीजों को उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जनता को सिर्फ 'हमारा विश्वास है' और इस विश्वास व उनकी आकांक्षाओं को 'हमारी सरकार' की दैवी धैर्यांग की गई है। कश्मीर में पीएम मोदी के दौरे के देखते हुए प्रश्नासन ने आम जनता के लिए रासने से जुड़ी हुई एडवाइजरी जारी की है।

## अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में करेंगे योगाभ्यास

### प्रदेशवासियों का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की धराई : मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। योग दिवस की पूर्व संचय पर आज यहां जारी आपने सदैश में मुख्यमंत्री साय के लिए कृपा करेंगे कि योग मूल रूप से शरीर, मन और आत्मा को शुद्ध करने की एक प्रक्रिया है। इससे शारीरिक शक्ति के साथ हमें सकारात्मक भावनात्मक मजबूती भी मिलती है। वास्तव में योग व्यायाम, तात्त्वमुक्त और अनुशासित जीवन जीने की एक शैली है। विष्णुदेव साय ने कहा है कि योग को विरोग रहने का उत्तम साधन माना जाया है। यह भारत की प्राचीन परंपरा है। अब पूरा विश्व योग का महत्व समझ रहा है। हर साल 21 जून को पूरा विश्व योग दिवस मनाता है।

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव के केन्द्रीय विद्यालय परिसर में बनाए गए साय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हेलीपैड में दोपहर 1:55 बजे पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री साय 2 बजे मेनोनाईट ईंटलिंग स्कूल रत्नाबंध में आयोजित होने वाले कार्यक्रम 'मिशन अब्बल' समान समारोह में विस्तृता लेंगे। दोपहर 3:30 बजे मुख्यमंत्री धमतरी से रवाना होकर 4:05 बजे रायपुर लौट आएंगे।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव कोरवा तथा उपमुख्यमंत्री धमतरी से रवाना होकर योग दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप

में शामिल होंगे। बिलासपुर में केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, कांकेर में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, कोरिया में मंत्री रामविचार नेताम, महासमुद में मंत्री दयालदास बघेल, नारायणपुर में मंत्री केला कश्यप, कब्रीराधाम में मंत्री लखनलाल देवांगन, बलौदाबाजार में मंत्री श्यामपाली जायसवाल, जांजीर-चांपा में मंत्री ओ-पी. चौधरी, धमतरी में मंत्री टंकराम वर्मा, राजनांदगांव में सांसद सतोष पाण्डेय, सरायज में सांसद चित्तामणी महाराज, जशपुर में सांसद राधेयमण राठिया, सुकमा में सांसद महेश कश्यप, गरियाबांद में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, बेमेत्रा में सांसद विजय बघेल, बालोद में सांसद भोजराज नाग, सको में सांसद श्रीमती कमलेश जांडे, रायगढ़ में सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह, बस्तर में विधायक किरण देव, दंतेवाड़ा में विधायक चंतराम अटामी, बीजापुर में विधायक नीलकंठ टेकाम, कोणडागांव में विधायक सुमी लला उसेण्डी, मुगेली में विधायक पुन्नुलाल मोले, खेरगढ़-झुईखान में विधायक श्रीमती भावना बोरा में विधायक लक्ष्मी राजवाड़े करेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार पर कराण है कि सारे वाइस चासलर प्रजाकान्स सिस्टम को भाजपा के लोगों ने और उनके प्रेंटेंस आर्मनाइजेशन ने कैप्चर कर रखा है। राहुल गांधी ने कहा कि पेपर लीक का कारण यह है कि शिक्षा व्यवस्था पर ऊर्स ने कब्जा कर लिया है। जब तक यह नहीं बदला जाएगा, पेपर लीक होते रहेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस कब्जे को आसान बनाया है। यह एक एंटी नेशनल पैकिटविटी है।

प्रेस कॉर्प्रेस में कहा कि भारत जोड़े न्याय यात्रा के दौरान लोगों ने पेपर लीक की शिकायत की। उन्होंने यह भी दावा किया कि पेपर लीक तब तक बंद नहीं होंगे, जब तक शैक्षणिक संस्थानों से RSS-BJP का कब्जा नहीं हटता।

आरएसएस-भाजपा का कब्जा है और जब तक इसे बदला नहीं जाएगा तब तक पेपर लीक होने बंद नहीं होंगे। राहुल गांधी ने कहा कि दावा कि नीट मामला मध्य प्रदेश के व्यापक मामले का विस्तृत रूप है। राहुल गांधी ने कहा कि, पेपर लीक का कारण है कि सारे वाइस चासलर एजुकेशन सिस्टम को भाजपा के लोगों ने और उनके प्रेंटेंस आर्मनाइजेशन ने कैप्चर कर रखा है।

पॉटो स्टोरी- कमल नवन नारंग



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस  
21 जून 2024

हार्दिक शुभकामनाएं  
योग  
तन और मन रहे निरोग

श्री विष्णु देव साय  
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़



योग से हमें असीम शांति मिलती है,  
हम जीवन की चुनौतियों का सामना  
शांति और धैर्य के साथ कर सकते हैं।





## संपादकीय

## ईंवीएम वोटिंग मशीन की विश्वसनीयता पर सवाल...

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईंवीएम) से छेड़छाड़ के दावे और सवाल रखिए को एक बार फिर से उठ खड़े हुए। कांग्रेस नेता गहूल गांधी ने मीडिया में मुंबई की ऐसी खबर-जिसमें अपोर लगाया गया है कि मुंबई उत्तर पश्चिम का सभा सीट से शिवरेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार ने चार जून को मतभागी के दौरान एक भोवाइल फोन का इस्तेमाल किया था जो ईंवीएम से जुड़ा हुआ था-का हवाला देते हुए ईंवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। हालांकि चुनाव आयोग ने मोबाइल से लिंक के दावे को खारिज कर दिया है और फिर से स्पष्ट किया है कि ईंवीएम स्वतंत्र प्रणाली है, और इसमें सुरक्षा के मजबूत उपाय हैं। गहूल गांधी ने मोशल मंडिगा मंच 'एक्स' के चेयरमैन एवं टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के एक पोस्ट का हवाला भी दिया जिसमें मस्क ने दाव किया कि ईंवीएम में छेड़छाड़ का खतरा बहुत अधिक है। उनका कहना है कि ईंवीएम को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए है किंवित किया जा सकता है, इसलिए इसे हटाया जाना चाहिए। इसके बाद गहूल गांधी ने कहा कि ईंवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है, और किसी को भी उसकी जांच की अनुमति नहीं है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी ईंवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हुए आगामी सभी चुनाव मतभागों के जरिए कराने की मांग की है। बहराहाल, इनका हवाला पर सवाल उठाया जाना कोई नहीं बात नहीं है। कांग्रेस समय तक ईंवीएम को लेकर पथ प्रतिपक्ष के बीच तनाव रही। ममला अदालत में पी पहुंचा। अदालत ने स्पष्ट फैसला देकर इस विवाद का जरिए कराने की तरफ दिया था। लेकिन नये घटावाकम के बाद प्रतिपक्ष ईंवीएम को फिर से संदेह के बेरे में लाए को प्रेरित हुआ है। उसे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंता जताने, बल्कि कहें कि चुनाव में धार्थाली की आशका जताने का मोका भी मिल गया है। तितपक्ष चुनाव से जुड़ी संस्थाओं की जवाबदेही पर सवाल उठा रहा है, और जवाबदेही के अधार में लोकांत्र के दिखावा भर रह जाने की बात कह रहा है। ईंवीएम को लेकर एक बार फिर से सियासी घमासान छिड़ा दुर्भाग्यात्मक है।

## विशेष लेख

## तगड़ा घोटाला हुआ

विनीत नारायण

जब भी कभी हम किसी प्रतियोगी परीक्षा के पेपर लीक होने की खबर सुनते हैं, तो सबके मन में व्यवस्था को लेकर काफी सवाल उत्तर हैं। इसमें पूरी व्यवस्था में फैले हुए भारी भ्राताचार का प्रमाण मिलता है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी खबरें कुछ ज्यादा ही आने लगी हैं। सोचने वाला ताक है कि इससे देश के युवाओं पर असर पड़ेगा? महीनों तक परीक्षा के लिए मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के मन में यह बात का डर बना रहा है कि इस बाद परीक्षा में हुए व्यापार घोटाले के बाद अब एक बार फिर मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए 'नीट परीक्षा' में हुए घोटाले पर जो बचाव मचा है, उससे तो यही लगता है कि चंद भर लोगों ने लालों विद्यार्थियों के व्यवस्था को अधिकार में धकेल दिया है। सारा 2016 में पहली बार मेडिकल एंट्रेंस के लिए 'एन्सीएल एंट्रेंस' कम रिलिस्युलेटेटेट' यानी पार रहने के लिए एन्सीएल एंट्रेंस भी दिया गया है। यह उसी तरह हुआ है। उसे तीन वर्षों में इसे सीधीसे द्वारा संचालित किया गया परंतु साल 2019 से इन इमिलियों की विम्फंडरी नेशनल टेस्टिंग एंजेसी (एनटीए) को दी गई। जब से नीट की परीक्षा लालू हुई है, ऐसा पहली बार हुआ है कि इस परीक्षा की कटऑफ इनी हाई गई है। यदि एनटीए की मार्ने तो 'नीट कटऑफ कैर्डिंग्स' की ओवरअॉल परफॉर्मेंस पर निर्भर करती है। कटऑफ बड़ा का मतलब है कि परीक्षा कर्पोरेटिव की ओर बच्चों ने बेहतर परफॉर्म किया। परंतु क्या यह बात सही है? गैरोलब है कि इस बार की नीट परीक्षा में 67 ऐसे युवा हैं, जिनमें 700 अंकों में से 720 अंक मिले हैं। ऐसे कई युवा भी हैं, जिनमें 71 और 719 अंक प्राप्त हुए हैं, जो परीक्षा पद्धति के मुतुविक्र असंभव हैं। 720 के टोटल मार्क 725 से वाली नीट परीक्षा में हर सवाल 4 अंक का होता है। गलत उत्तर के लिए 1 अंक कटाता है। अगर किसी स्टूडेंट ने सभी सवाल सही किए तो उसे 720 में से 720 मिलेंगे। अगर एक सवाल का उत्तर नहीं दिया, तो 716 अंक मिलेंगे। अगर एक सवाल गलत हो गया, तो 715 अंक मिलने चाहिए लेकिन 718 या 719 किसी भी सूरत में नहीं मिल सकते। जारी है कि तगड़ा घोटाला हुआ है। जिन विद्यार्थियों ने इस वर्ष नीट परीक्षा दी उत्तर जब यह पूछा गया कि इस बार की परीक्षा कैसी थी? तो उनका जवाब था कि इस बार की परीक्षा काफी कठिन थी, कठिनकारी काफी नीचे रही। एनटीए द्वारा एक और स्पष्टीकरण भी दिया गया है जिसके मुतुविक्र इस बार टॉप करने वाले कई बच्चों को ग्रेस मार्क 725 भी दिए गए हैं। इसका कारण है कि फिजिक्स के एक प्रश्न के दो सही उत्तर हैं। ऐसा इमिलिय है कि फिजिक्स की एक पुरानी किताब, जिसे 2018 में हटा दिया गया था, अभी भी पढ़ी जा रही थी। परंतु यह सवाल उत्तर है कि आजकल के युवा सभी युवा एवं दूसरे जगह के युवाओं ने इस वर्ष के लिए एक बड़ी व्यापार घोटाले के बाद अब एक बार फिर मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए 'नीट परीक्षा' में हुए घोटाले पर जो बचाव मचा है, उससे तो यही लगता है कि चंद भर लोगों ने लालों विद्यार्थियों के व्यवस्था को अधिकार में धकेल दिया है। सारा 2016 में पहली बार मेडिकल एंट्रेंस के लिए 'एन्सीएल एंट्रेंस' कम रिलिस्युलेटेटेट' यानी पार रहने के लिए एन्सीएल एंट्रेंस भी दिया गया है। यह उसी तरह हुआ है। उसे तीन वर्षों में इसे सीधीसे द्वारा संचालित किया गया परंतु साल 2019 से इन इमिलियों की विम्फंडरी नेशनल टेस्टिंग एंजेसी (एनटीए) को दी गई। जब से नीट की परीक्षा लालू हुई है, ऐसा पहली बार हुआ है कि इस परीक्षा की कटऑफ इनी हाई गई है। यदि एनटीए की मार्ने तो 'नीट कटऑफ कैर्डिंग्स' की ओवरअॉल परफॉर्मेंस पर निर्भर करती है। कटऑफ बड़ा का मतलब है कि परीक्षा कर्पोरेटिव की ओर बच्चों ने बेहतर परफॉर्म किया। परंतु क्या यह बात सही है? गैरोलब है कि इस बार की नीट परीक्षा में 67 ऐसे युवा हैं, जिनमें 700 अंकों में से 720 अंक मिले हैं। ऐसे कई युवा भी हैं, जिनमें 71 और 719 अंक प्राप्त हुए हैं, जो परीक्षा पद्धति के मुतुविक्र असंभव हैं। 720 के टोटल मार्क 725 से वाली नीट परीक्षा में हर सवाल 4 अंक का होता है। गलत उत्तर के लिए 1 अंक कटाता है। अगर किसी स्टूडेंट ने सभी सवाल सही किए तो उसे 720 में से 720 मिलेंगे। अगर एक सवाल का उत्तर नहीं दिया, तो 716 अंक मिलेंगे। अगर एक सवाल गलत हो गया, तो 715 अंक मिलने चाहिए लेकिन 718 या 719 किसी भी सूरत में नहीं मिल सकते। जारी है कि तगड़ा घोटाला हुआ है। जिन विद्यार्थियों ने इस वर्ष नीट परीक्षा दी उत्तर जब यह पूछा गया कि इस बार की परीक्षा कैसी थी? तो उनका जवाब था कि इस बार की परीक्षा काफी कठिन थी, कठिनकारी काफी नीचे रही। एनटीए द्वारा एक और स्पष्टीकरण भी दिया गया है जिसके मुतुविक्र इस बार टॉप करने वाले कई बच्चों को ग्रेस मार्क 725 भी दिए गए हैं। इसका कारण है कि फिजिक्स के एक प्रश्न के दो सही उत्तर हैं। ऐसा इमिलिय है कि फिजिक्स की एक पुरानी किताब, जिसे 2018 में हटा दिया गया था, अभी भी पढ़ी जा रही थी। परंतु यह सवाल उत्तर है कि आजकल के युवा सभी युवा एवं दूसरे जगह के युवाओं ने इस वर्ष के लिए एक बड़ी व्यापार घोटाले के बाद अब एक बार फिर मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए 'नीट परीक्षा' में हुए घोटाले पर जो बचाव मचा है, उससे तो यही लगता है कि चंद भर लोगों ने लालों विद्यार्थियों के व्यवस्था को अधिकार में धकेल दिया है। सारा 2016 में पहली बार मेडिकल एंट्रेंस के लिए 'एन्सीएल एंट्रेंस' कम रिलिस्युलेटेटेट' यानी पार रहने के लिए एन्सीएल एंट्रेंस भी दिया गया है। यह उसी तरह हुआ है। उसे तीन वर्षों में इसे सीधीसे द्वारा संचालित किया गया परंतु साल 2019 से इन इमिलियों की विम्फंडरी नेशनल टेस्टिंग एंजेसी (एनटीए) को दी गई। जब से नीट की परीक्षा लालू हुई है, ऐसा पहली बार हुआ है कि इस परीक्षा की कटऑफ इनी हाई गई है। यदि एनटीए की मार्ने तो 'नीट कटऑफ कैर्डिंग्स' की ओवरअॉल परफॉर्मेंस पर निर्भर करती है। कटऑफ बड़ा का मतलब है कि परीक्षा कर्पोरेटिव की ओर बच्चों ने बेहतर परफॉर्म किया। परंतु क्या यह बात सही है? गैरोलब है कि इस बार की नीट परीक्षा में 67 ऐसे युवा हैं, जिनमें 700 अंकों में से 720 अंक मिले हैं। ऐसे कई युवा भी हैं, जिनमें 71 और 719 अंक प्राप्त हुए हैं, जो परीक्षा पद्धति के मुतुविक्र असंभव हैं। 720 के टोटल मार्क 725 से वाली नीट परीक्षा में हर सवाल 4 अंक का होता है। गलत उत्तर के लिए 1 अंक कटाता है। अगर किसी स्टूडेंट ने सभी सवाल सही किए तो उसे 720 में से 720 मिलेंगे। अगर एक सवाल का उत्तर नहीं दिया गया है, तो 716 अंक मिलेंगे। अगर एक सवाल गलत हो गया, तो 715 अंक मिलने चाहिए लेकिन 718 या 719 किसी भी सूरत में नहीं मिल सकते। जारी है कि तगड़ा घोटाला हुआ है। जिन विद्यार्थियों ने इस वर्ष नीट परीक्षा दी उत्तर जब यह पूछा गया कि इस बार की परीक्षा कैसी थी? तो उनका जवाब था कि इस बार की परीक्षा काफी कठिन थी, कठिनकारी काफी नीचे रही। एनटीए द्वारा एक और स्पष्टीकरण भी दिया गया है जिसके मुतुविक्र इस बार टॉप करने वाले कई बच्चों को ग्रेस मार्क 725 भी दिए गए हैं। इसका कारण है कि फिजिक्स के एक प्रश्न के दो सही उत्तर हैं। ऐसा इमिलिय है कि फिजिक्स की एक पुरानी किताब, जिसे 2018 में हटा दिया गया था, अभी भी पढ़ी जा रही थी। परंतु यह सवाल उत्तर है कि आजकल के युवा सभी युवा एवं दूसरे जगह के युव







